मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 22, मुंबई, बुधवार, 18 मार्च, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

कोरोना वायरस... 'चीन की सनक'

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए इस बाबत दावा करने को लेकर महाराष्ट्र चिकित्सा परिषद (एमएमसी) ने मुंबई के एक डॉक्टर को नोटिस जारी किया है। इस डॉक्टर ने वायरस को 'चीन की सनक' करार देते हुए दावा किया था कि यह भारत की गर्मी में नहीं टिक पाएगा। एमएमसी ने मध्य मुंबई के दादर के डॉक्टर अनिल पाटिल से जवाब मांगा है कि क्या उनके पास अपने दावे की पुष्टि करने वाला कोई शोध है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

डॉक्टर के दावे पर एमएमसी ने भेजा नोटिस

शिरडी के साईं के कपाट भी बंद

भारत में कोरोना वायरस के कुल मामलों की संख्या 132 पहुंच चुकी है। सरकार हो, संस्थान हों या फिर अस्पताल सभी इस वायरस से बचाव के लिए ऐहतियाती कदम उठा रहे हैं। इस बीच महाराष्ट्र के शिरडी में साईं बाबा मंदिर के कपाट भी बंद करने की तैयारी पूरी की जा चुकी है। महाराष्ट्र के शिरडी में श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट मंगलवार को दोपहर 3 बजे मंदिर के कपाट भक्तों के लिए अग्रिम आदेशों तक के लिए बंद कर देगा। यह निर्णय देश में बढ़ रहे कोरोना मामलों के मद्देनजर लिया गया है।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव स्थगित

कोरोना वायरस के मद्देनजर एहतियात बरतते हुए महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को राज्य में निकाय चुनाव की तारीख को अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला लिया। राज्य निर्वाचन आयुक्त यूपीएस मदन ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे को देखते हुए चुनाव स्थगित किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने चुनाव से संबंधित प्रक्रिया को भी स्थगित कर दिया है।

कोरोना से लड़ाई

दुनियाभर में 50 से ज्यादा इंस्टीट्यूट-कंपनियां वैक्सीन बनाने में जुटे

इंसानों पर परीक्षण के बाद अब 3 महीने डेटा कलेक्शन होगा

जानवरों को छोड़ पहली बार सीधे इंसानों पर परीक्षण का जोखिम उठाया अमेरिका ने

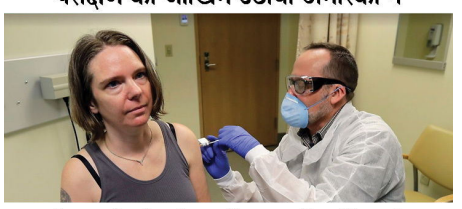

सिएटल की रहने वाली 43 वर्षीय स्वस्थ महिला जेनिफर को लगाया गया पहला कोरोनावायरस वैक्सीन, दो बच्चों की मां जेनिफर ने कहा- मेरे लिए यह एक शानदार अवसर था

नई दिल्ली। भारत में कोरोनावायरस के बढ़ते खतरे की बीच केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने राज्यसभा में कहा है कि देश कोरोनावायरस का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह से तैयार है और घबराने की जरूरत नहीं है। डॉ हर्षवर्धन ने बताया कि कोरोना वायरस की वैक्सीन की टेस्टिंग चल रही है और सरकार काफी मुस्तैद है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अफवाहों पर लगाम

सीएम उद्धव ठाकरे बोले- पब्लिक ट्रांसपोर्ट और सरकारी ऑफिसों में बंदी नहीं

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट की बैठक ली। इसके बाद उन्होंने बताया कि हमने बस-ट्रेन बंद करने का निर्णय नहीं लिया है। यह जरूरी सेवाएं हैं। लेकिन, लोगों से अपील करेंगे कि अनावश्यक रूप से यात्रा न करें।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जांच में नेगिटिव हुए लोगों को महाराष्ट्र सरकार ने 14 दिनों के लिए किया होम क्वारंटाइन

पहचान के लिए हाथ में लगाएं खास निशान

मुंबई। कोरोनावायरस से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक अनूठा तरीका निकाला है। सरकार ने टेस्टिंग के बाद नेगिटिव हुए लोगों को भी 14 दिनों तक अपने घरों में क्वारंटाइन करने निर्देश दिया है। इन लोगों की पहचान आसानी से हो सके इसलिए सरकार ऐसे लोगों की बाएं हाथ की हथेली पर काले रंग का एक निशान बना रही है। यह निशान 14 दिनों तक मिटाया नहीं जा सकता।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

विरार-अलीबाग कॉरिडोर में यूटिलिटी कॉरिडोर

मुंबई। १२८ किमी लंबी विरार-अलीबाग कॉरिडोर परियोजना एमएमआरडीए की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। एमएमआरडीए की अधिकतर परियोजनाओं की लागत खर्च राज्य सरकार स्वयं उठा रही है। सरकार पर परियोजनाओं के बोझ का खर्च कम पड़े इसलिए एमएमआरडीए ने बीकेसी की जमीन को लीज पर दिया है। इससे मिलनेवाले पैसों को मेट्रो परियोजनाओं में लगाने जैसे उचित कदम उठाए गए हैं। एक बार फिर एमएमआरडीए ने विरार-अलीबाग कॉरिडोर की मदद से सरकारी तिजोरी भरने की योजना बनाई है। १९,००० करोड़ रुपए की प्रस्तावित लागत से बनने जा रहे ८ लेन वाले इस कॉरिडोर के दोनों बगल में एमएमआरडीए की योजना यूटिलिटी कॉरिडोर का निर्माण कर राजस्व कमाई की है। इसलिए कॉरिडोर से सटकर दोनों दिशाओं में ७.५ मीटर का यूटिलिटी कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस यूटिलिटी कॉरिडोर पर बिजली, पेट्रोल, गैस जैसी कंपनियां अपनी लाइन ले जा सकती हैं। इसकी एवज में कंपनियां एमएमआरडीए को एक निर्धारित राशि देंगी। इस तरकीब से परियोजना में लगाई गई धनराशि को प्राप्त करने में एमएमआरडीए को मदद होगी।

अलीबाग कॉरिडोर एमएमआरडीए की बहुप्रतीक्षित योजनाओं में से एक है। १९,००० करोड़ रुपए की प्रस्तावित लागत से बनाने जा रहे ८ लेनवाले इस कॉरिडोर के दोनों बगल में एमएमआरडीए की योजना यूटिलिटी कॉरिडोर तैयार कर राजस्व की कमाई करने की है। इसलिए कॉरिडोर के दोनों अंतिम दिशा की ओर बगल में ७.५ मीटर कौ यूटिलिटी कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस यूटिलिटी कॉरिडोर पर बिजली, पेट्रोल, गैस जैसी कंपनियां अपनी लाइन ले जा सकती हैं। इसके एवज में कंपनियां एमएमआरडीए को एक निर्धारित राशि देंगी। इस तरकीब से परियोजना में लगाई गई धनराशि को पूर्णप्राप्त करने में एमएमआरडीए को मदद मिलेगी। यहां दिलचस्प बात यह है कि मुंबई -नागपुर सुपर कम्यूनिकेशन एक्सप्रेसवे पर भी सड़क के दोनों ओर यूटिलिटी कॉरिडोरह्न के लिए तीन मीटर की जगह रखी गई है, ताकि इससे होनेवाली आय अर्जित की जा सके। बता दें कि एमएमआरडीए अलीबाग-विरार कॉरिडोर परियोजना के लिए नोडल एजेंसी है। परियोजना के बारे में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम उन १०४ गांवों में भूमि का सीमांकन करने की प्रक्रिया में हैं, जहां से ये कॉरिडोर गुजर रहा है। इनमें से ६१ गांवों का सीमांकन पूरा हो चुका है। एक बार शेष गांवों का सीमांकन हो जाने के बाद, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जिएं तो जिएं कैसे?, दहिसरवासियों का दर्द

मुंबई। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। मुंबई के व्यापारियों ने विश्वभर के सबसे नामचीन और अमीर लोगों में अपना नाम बनाया है, लेकिन इसी मुंबई की एक और सच्चाई है। मुंबई की आलीशान बड़ी इमारतों के पीछे झुग्गी-झोंपड़ियां और बस्तियां मुंबई की अर्थव्यवस्था का काला सच हैं। ऐसे में दहिसर में भी इसी प्रकार की कई झोपड़पट्टियां स्थित हैं। एक तरफ जहां कोरोना वायरस ने विश्वभर में अपना जाल बिछा रखा है, जिसके कारण अपने आसपास सफाई रखना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। उसी समय में इन झोपड़पट्टियों के शौचालय की हालत बेहद खस्ता है। जब ह्यदोपहर का सामनाह्न संवाददाता ने जाकर इन झोपड़पट्टियों के शौचालय की हालत खुद देखी तो पता चला कि यहां के लोग गंदे और टूटे-फूटे शौचालयों से काफी ज्यादा परेशान हैं।

दहीसर पूर्व के चेक नाका के पास स्थित झोपड़पट्टियों के लोगों का कहना है कि उन्हें शौच जाने के लिए सुबह लंबी कतार में खड़े होकर इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा शौचालय की दीवारें और दरवाजें भी टूटी-फूटी हालत में हैं।

शादियों पर छाया कोरोना ग्रहण, मनपा ने सुरक्षा दृष्टि से हॉल, उद्यान व सभागृह किए बंद

ठाणे। कोरोना वायरस भीड़-भाड़वाले इलाकों में बेहद तेजी से पैष्ठलता है, जिसे ध्यान में रखते हुए ठाणे मनपा ने सभी भीड़भाड़ इलाकों को बंद करने का निर्णय लिया है। मनपा द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से लिए गए इस निर्णय से ठाणे में मौजूद शादियों के हॉल में की गई शादियों की बुकिंग को रद्द कर दिया गया है। लोग ऐसा भी कहते नजर आ रहे हैं कि शादियों को कोरोना वायरस का ग्रहण लग गया है।

बता दें कि पूरा विश्व कोरोना वायरस से भयभीत हैं। पूरे विश्व में कोरोना वायरस की चपेट में आकर लगभग ५ हजार लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। हिंदुस्थान में भी कोरोना वायरस ने अपनी दस्तक देते हुए तीन लोगों की जान ले ली है। कोरोना वायरस को पैष्ठलने से रोकने के राज्य सरकार उचित कदम उठाती नजर आ रही है। सरकार द्वारा दिए गए निर्देश के आधार पर सिनेमा घर और मॉल्स पहले ही बंद कर दिया गया था, जिसके बाद अब मनपा ने उद्यान, बोटिंग, मंगल कार्यलय, सभागृह व बैंक्वेट हॉल बंद करने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं जब तक सरकारी निर्देश नहीं दिए जाते तब तक बंद रखने को कहा गया है। इस प्रकार ठाणे के ४४ उद्यान व १२ लैंडस्केप उद्यान बंद कर दिए गए हैं। इसी प्रकार शादियों के हॉल भी बंद कर दिए गए हैं। शादियों के सभी हॉल मालिकों को पत्र भेजकर यह निर्देश दिया गया है। ठाणे के हॉलों में कई शादियों की बुकिंग बहुत पहले से ही की गई थी। मनपा द्वारा लिए गए इस निर्णय से शादियों की बुकिंग को रद्द कर दिया गया है। ठाणे मनपा जनसंपर्क अधिकारी संदीप मालवी ने बताया कि सरकार ने जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया है। कुछ शादियों की बुकिंग रद्द की गई है लेकिन सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया, यह महत्वपूर्ण निर्णय है।

देवनार प्रॉजेक्टः प्रशासन ने लौटाया मंजूर प्रॉजेक्ट

मुंबई। देवनार डंपिंग ग्राउंड में कचरे से बिजली पैदा करने की परियोजना विवादों में फंस गई है। बीएमसी प्रशासन ने परियोजना के लिए तय ठेकेदार पर विवाद होने के बाद प्रस्ताव दोबारा चर्चा के लिए स्थायी समिति के पास भेजने का निर्णय लिया है। स्थायी समिति से पास प्रस्ताव को दोबारा चर्चा के लिए लौटा कर बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी और सत्ताधारी शिवसेना आमने-सामने आ गए हैं।

भाजपा ने भी इस परियोजना के लिए हुई ठेके की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए बीएमसी कमिश्नर से दोबारा प्रस्ताव स्थायी समिति में भेजने का अनुरोध किया था। इसे भाजपा की बड़ी जीत माना जा रहा है, जबकि शिवसेना ठेका देने में हुई अनियमितता के कारण बैकफुट पर आ गई है। सूत्रों का कहना है कि स्थायी समिति में चर्चा के बाद नई कंपनी को ठेका मिल सकता है।

मनपा प्रशासन ने देवनार डंपिंग ग्राउंड में कचरे से बिजली बनाने के लिए जिस कंपनी को ठेका देने का निर्णय लिया था, उस कंपनी ने ठेका प्रक्रिया में दर भरने वाले सी पैकेट में पैसों का उल्लेख ही नहीं किया था। बावजूद इसके, मनपा ने ठेकेदार को कचरे से बिजली बनाने का ठेका दिया था। मनपा के इस निर्णय पर चेन्नै की एमएसडब्ल्यू और सुएज एन्वायर इंडिया लिमिटेड नामक कंपनी आगे आई

थी। चेन्नै की कंपनी ने निविदा प्रक्रिया में सी पैकेट, जिस पर काम करने की कीमत भरी जाती है, उसे भरा ही नहीं था, जबकि दूसरे स्थान की कंपनी ने सुएज ने निविदा प्रक्रिया में काम करने की कीमत भरी थी। बाद में जब टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाने लगा, तब चेन्नै की कंपनी की कीमत सामने आई। कंपनी का लोवेस्ट रेट होने के कारण उसे प्रशासन ने ठेका दे दिया था। स्थायी समिति ने भी चेन्नै की एमएसडब्ल्यू का 1 हजार 20 करोड़ रुपये का ठेका रद्द कर 173 करोड़ रुपये ज्यादा वाली कंपनी को ठेका दे दिया था।

होटल सूना-सूना!, मांसाहारी भोजन से डर रहे हैं नागरिक

नई मुंबई। कोरोना का डर इस कदर लोगों में समाया है कि नागरिक होटलों तथा ढाबा में भी जाने से कतरा रहे हैं। अधिक भीड़-भाड़वाली जगहों पर जाने से बचने की सावधानी को लेकर नागरिक कोरोना से बचने के लिए पूरा एहतियात बरतते नजर आ रहे हैं। शहर के कई होटलों में पहले की भांति नागरिकों की भीड़ नजर नहीं आने से होटल व्यवसाई भी चिंतित हैं। शहर में मनपा प्रशासन ने भीड़-भाड़वाले जगहों पर बंदी की घोषणा करने से नागरिक अपने घरों में ही अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ३१ मार्च तक स्कूल तथा महाविद्यालय बंद किए गए हैं। सार्वजनिक कार्य्रकम पर भी बंदी लगा दी गई है।

मंत्रालय तक पहुंचा कोरोना! मंत्रालय में आगंतुकों पर रोक

मुंबई। मंत्रालय में एक कर्मचारी को कोरोना सदृश्य जैसे लक्षण मिलने पर अफरातफरी मच गई। यह अधिकारी बुखार से पीड़ित था और उसे खांसी भी आ रही थी, जिसके बाद उसका मंत्रालय के निचले तल पर मौजूद दवाखाने में उपचार के लिए भेजा गया। वहां उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसको भाई अमेरिका से आया है। इसके बाद उसे अगली जांच के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी का भाई अमेरिका से आया है और वह कोरोना पॉजिटिव है। मंत्रालय के इस कर्मचारी को बुखार और कोरोना जैसे लक्षण पाए गए। इसके बाद उसे मंत्रालय में स्थित दवाखाने में ले जाया गया। जहां उससे पूछताछ की गई। इसके बाद उसे कस्तूरबा अस्पताल भेज दिया गया। कोराना का फैलाव रोकने के लिए मंत्रालय में खासा ध्यान रखा जा रहा है। सोमवार को मंत्रालय में

सार्वजनिक बांधकाम विभाग की तरफ से परिसर में कीटाणुशोधन अभियान चलाया गया।

कोरोना वायरस की बढ़ते प्रभाव को देखते हुए मंत्रालय में आने वाले आगंतुकों (व्हिजीटर्स) के पास को बंद करने का सरकार ने निर्णय लिया है। सोमवार को गृह विभाग ने परिपत्र निकालकर यह जानकारी दी। गृह विभाग के परिपत्र के अनुसार अति महत्वपूर्ण काम के लिए मंत्री और राज्य के मंत्री से 10 और राज्य के मुख्य और अन्य विभागों के सचिवों से पांच व्यक्ति प्रतिदिन मिलने के लिए मंत्रालय में प्रवेश दिया जाएगा। गृह विभाग के अनुसार इस दौरान मंत्रालय में आने वाले आगंतुक (व्हिजीटर्स) का कोरोना वायरस मेडिकल की जांच करने के बाद उन्हें मंत्रालय में प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्रीय कार्यालय में तैनात सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के मंत्रालय में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। मंत्रालय और शासकीय इमारत में तैनात पास धारकों अधिकारियों और कमर्चारियों को ही सिर्फ मंत्रालय में प्रवेश दिया जाएगा इसके साथ मंत्रलाय में अधिकारियों और कमचारियों की बायोमैट्रिक द्वारा नहीं, बल्कि रजिस्टर में हस्ताक्षर द्वारा उपस्थिति दर्ज की जाएगी। आगंतुकों की सुविधा को देखते हुए सरकार ने मंत्रलाय के प्रवेश द्वार पर ही सभी विभागों की जानकारी उपलब्ध कराएगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कोरोना वायरस का महाराष्ट्र में कहर, पुणे में बाजार-दुकानें बंद, परीक्षाएं भी टलीं

मुंबई/पुणे। देश में कोरोना वायरस के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और सबसे अधिक केस महाराष्ट्र (अब तक 39) पाए गए हैं। ऐसे में कोरोना वायरस को बेअसर करने के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों पर अमल करते हुए महाराष्ट्र सरकार ने तुरंत प्रभाव से कई कदम उठाए हैं। उद्धव सरकार ने शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेज, निजी क्लासेस और स्वीमिंग पूल बंद करने का आदेश दिया है।

इसके साथ ही परीक्षाएं टालने का भी आदेश दिया गया है। मंत्रालय, सचिवालय और राजभवन में जनता के प्रवेश रोक लगा दी गई है। ऐहतियात के तौर पर कुछ प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया है। ग्राम पंचायतों सहित सभी स्थानीय निकाय चुनाव तीन महीनों तक टालने की मांग राज्य चुनाव आयोग से की गई है।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर पुणे शहर में अगले तीन दिनों तक बाजार और दुकानें बंद रहेंगी। साथ ही पुणे का शनिवार वाड़ा किला कोरोना वायरस के कारण अस्थायी रूप से आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। शहर के दगडूशेठ हलवाई मंदिर को कोरोना वायरस के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

इस बीच, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 39 पहुंच गई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है, आने वाले 15 दिन बहुत महत्वपूर्ण है। बेहद सतर्कता की जरूरत है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कोई भी शहर पूरी तरह शटडाउन नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, मुख्य सचिव अजोय मेहता और स्वास्थ्य सचित प्रदीप व्यास ने सोमवार को राज्य के जिलाधिकारियों से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग करके समीक्षा की। बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने बताया, देश में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मरीज महाराष्ट्र में पाए गए हैं।

अगले 15 दिन बहुत महत्वपूर्ण है। सतर्कता बरतेंगे, लेकिन कोई भी शहर पूरी तरह शटडाउन नहीं किया जाएगा।

-उद्धव ठाकरे, मुख्यमंत्री

टूर्स पर मुंबई पुलिस की पाबंदी और फिल्मों की शूटिंग बंद होने के बाद मंगलवार से मंत्रालय में आम आदमी के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रानी बाग और संजय गांधी नैशनल पार्क में भी लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है।

बीएमसी ने प्राइवेट कंपनियों में 50 प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों की उपस्थिति टालने का आदेश दिया है। कमिश्नर के सर्कुलर में कहा गया है कि ऑफिसों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों से ही काम लिया जाए। यह नियम सीवेज, पानी, बैंकिंग, रेलवे, खान-पान, हॉस्पिटल और मेडिकल स्टोर जैसी अति महत्वपूर्ण सेवाएं देने वालों पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कस्तूरबा, केईएम और सेवन हिल्स अस्पताल के आसपास गाड़ियों की आवाजाही भी कम की जाएगी। इसे न मानने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

कोरोना का देश में कहां, क्या असर, अपडेट्स

ये भी बंद

सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबा देवी मंदिर, तुलजा भवानी मंदिर बंद।
अजंता-एलोरा गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्थल 9 अप्रैल तक बंद।
मंत्रालय में जनता का प्रवेश बंद।
नवी मुंबई का पक्षी विहार और राज्य की सभी जंगल सफारी बंद।
राजभवन की यात्रा 31 मार्च तक बंद।

चुनाव आयोग से मांग

पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव टाल दिए जाएं।

यह किया जरूरी

सभी होर्डिंग्स पर 25 मार्च तक कोरोना वायरस से रोकथाम संबंधी संदेश प्रदर्शित करने होंगे।

कोरोना अलर्ट

1075 24 x 7 नैशनल हेल्पलाइन
मुंबई में टोल फ्री नंबर 104
बीएमसी टोल फ्री नंबर 1916
स्टेट कंट्रोल रूम 020-26127394
(इन नंबरों पर कोई भी मदद और सवाल-जवाब कर सकते हैं)

दादर से रामनगर के लिए शुरू होगी नई ट्रेन

मुंबई। अब मुंबई से उत्तराखंड के पहाड़ों की दूरी और घटने वाली है। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के अनुरोध पर केंद्रीय रेलवे मंत्री पीयूष गोयल ने दादर (मुंबई) - रामनगर (नैनीताल) के बीच सप्ताह में 2 दिन नई रेल चलाने को मंजूरी दी है। इससे पहले बांद्रा से रामनगर के बीच ट्रेन चलाई जा रही थी। कुछ समय पहले उत्तराखंड के लोगों ने भी एनबीटी के माध्यम से उत्तराखंड के लिए अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की मांग की थी। इस मांग को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी तक पहुंचाया गया था। इस संबंध में राज्यपाल कोश्यारी ने महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे को मुंबई - रामनगर के बीच पूरे सप्ताह रेल चलाने का आग्रह किया था, जिसके उत्तर में अपर महाप्रबंधक प.रे. ने अपने पत्र 7 फरवरी 2020 और महाप्रबंधक प.रे. ने अपने पत्र 3 मार्च 2020 के माध्यम से कोश्यारी को सूचित किया था। पश्चिम रेलवे द्वारा दादर-रामनगर के बीच सप्ताह में दो बार ट्रेन चलाने के लिए रेलवे बोर्ड को सिफारिश कर दी है।

महाराष्ट्र में घर पर अलग रखे गए लोगों के बाएं हाथ पर ठप्पा लगाया जाएगा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस के सम्पर्क में आने के संदेह में घर पर क्वैरंटाइन रखे गए लोगों को बाएं हाथ पर ठप्पा लगाया जाएगा। राज्य सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में किया गया। इस बैठक में जिले के अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

सोमवार की स्थिति के अनुसार राज्य में कोरोना वायरस के 37 मरीज हैं। प्रोटोकॉल के अनुसार कोरोना वायरस प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले लोगों को ऐहतियात के तौर पर घर पर पृथक रखा जा रहा है जबकि उनके नमूने जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। बयान में लोगों से आग्रह किया गया कि वे अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिए सरकारी कार्यालय जाने की बजाय अपनी शिकायतें या अनुरोध ईमेल के जरिए भेजें।

इसमें कहा गया है कि जिला प्रशासन से कहा गया है कि वे इन ईमेल पर सात दिनों में निर्णय करें। एक अन्य घटनाक्रम में महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने घोषणा की कि राज्य में विश्वविद्यालयों ने परीक्षाएं 31 मार्च तक स्थगित करने का निर्णय किया है।

मुंबई और महाराष्ट्र में कांग्रेस की कमान किसे? सोनिया गांधी की चुप्पी से लंबा हुआ इंतजार

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर इन दिनों अजीब खामोशी देखी जा रही है। मुंबई महानगरपालिका के चुनाव के लिए तमाम पार्टियों ने अपनी मोचाबंदी शुरू कर दी है। अगले महीने मुंबई महानगरपालिका में सभी समितियों के चुनाव होने हैं, लेकिन अब तक मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष कौन होगा इसका फैसला नहीं हो रहा है।

एकनाथ गायकवाड अंतरिम अध्यक्ष के रूप में काम संभाल रहे हैं, लेकिन आगामी चुनावी रणनीति के हिसाब से कांग्रेस में सुस्ती छाई हुई है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र के मामले चुप्पी साध रखी है, वहीं राहुल गांधी ने खुद को अलिप्त कर रखा है। ऐसे में महाराष्ट्र और मुंबई कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन का फैसला लंबे समय से

लटका हुआ है।

कांग्रेसी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के सांसदों ने अभी हाल ही में संसद परिसर में राहुल गांधी को घेरा और उनसे वापस अध्यक्ष पद स्वीकारने की अपील की। कांग्रेसी सांसदों का कहना था कि अगर राहुल इसी तरह अलिप्त बने रहे, तो पार्टी खत्म हो जाएगी। इस पर भी राहुल अपनी अलिप्तता खत्म करने को तैयार नहीं हुए और उन्होंने साफ कह दिया कि वह अध्यक्ष नहीं बनेंगे।

कांग्रेस के एक सांसद का कहना है कि राहुल पार्टी पर काबिज बुजुर्ग नेताओं की मनमानी से खफा हैं। वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत से और राहुल गांधी की यंग ब्रिगेड कै रवैये ने भी राहुल को आहत कर रखा है। राहुल के खिलाफ पार्टी में चल रही गतिविधियों ने सोनिया गांधी को भी परेशान कर रखा है। लगातार प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझ रही कांग्रेस पार्टी भले ही इस समय महाराष्ट्र सरकार में शामिल है, लेकिन कहीं भी कांग्रेस की छाप सरकार पर दिख नहीं रही है।

भीमा-कोरेगांव केस : नवलखा और तेलतुंबडे की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के भीमा- कोरेगांव हिंसा मामले में सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा और आनंद तेलतुंबडे की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने दोनों ऐक्टिविस्टों को तीन हफ्ते के भीतर सरेंडर करने को कहा है। कोर्ट ने दोनों को अपने- अपने पासपोर्ट जमा करने के भी आदेश दिए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 6 मार्च को दोनों सामाजिक कार्यकताओं को गिरफ्तारी से राहत को 16 मार्च, 2020 तक के लिए बढ़ा दिया था। पुणे के सेशंस कोर्ट द्वारा अपनी याचिकाएं खारिज होने के बाद दोनों ने अपनी गिरफ्तारी पर रोक के लिए पिछले साल नवंबर में मुंबई हाई कोर्ट का रुख किया था। 1 जनवरी 2018 को पुणे जिले के भीमा- कोरेगांव गांव में हिंसा के सिलसिले में पुणे पुलिस ने नवलखा, तेलतुंबडे और कई दूसरे कार्यकताओं को माओवादियों के साथ उनके कथित संबंधों और कई दूसरे आरोपों के तहत केस दर्ज किया था। सभी आरोपियों ने आरोपों को खारिज किया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
18 मार्च, 2020

निमोनिया और हाई ब्लड प्रेशेर की वजह से कस्तूरबा हॉस्पिटल में मृत हुआ 64 वर्षीय बुजुर्ग, कोरोना का संदेह

बुजुर्ग पहले मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल में एडमिट थे बाद में इन्हें कस्तूरबा में शिफ्ट किया गया

संवाददाता

मुंबई। मंगलवार सुबह 7 बजे मुंबई के कस्तूरबा हॉस्पिटल में हुई 64 वर्षीय बुजुर्ग की मौत के मामले में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोरोना की वजह से हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इसे स्पष्ट रुप से कहा जाएगा। 5 मार्च को दुबई से लौटने के बाद जांच में उनके अंदर कोरोना की पुष्टि नहीं हुई थी। इस मामले में ग्रेटर मुंबई नगरनिगम ने भी कहा कि 64 वर्षीया बुजुर्ग को हाई ब्लड प्रेशेर, निमोनिया और दिल की मांसपेशियों में सूजन और हार्टरेट में वृद्धि के कारण मौत हुई है। बुजुर्ग पहले मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल में एडमिट थे बाद में इन्हें कस्तूरबा में शिफ्ट किया गया। महाराष्ट्र के बुलढाणा में भी

एक बीमार बुजुर्ग ने दम तोड़ा था, लेकिन बाद में उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। मुंबई के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे कई बड़े उद्योगपतियों के साथ कोरोना को लेकर बैठक कर रहे हैं। राज्य के सभी स्कूल-कॉलेज, निजी क्लासेस, परीक्षाएं टालने का भी आदेश दिया गया है। जिम और स्वीमिंग पूल बंद करने का आदेश दिया है। किसी भी तरह के धार्मिक या सामाजिक आयोजन पर सरकार ने पाबंदी लगा दी है। राज्य के कई मंदिरों को भक्तों के लिए बंद कर दिया गया है। हाई कोर्ट में आज से सिर्फ दो घंटे और जिला अदालतों में तीन घंटे ही काम होगा। पुणे में सबसे ज्यादा 16 मरीज मिलने के बाद अब यहां के शनिवारवाड़ा किले को भी अनिश्चित काल के लिए बंद है।

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के 39 मामलों की पुष्टि: सोमवार को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि कोरोना पीड़ितों की संख्या राज्य में बढ़कर 39 पहुंच चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा 16 मामले पुणे में हैं। वहीं, मुंबई में 6, नागपुर में 4, यवतमाल में 3, नवी मुंबई में 3, कल्याण 3, ठाणे, अहमदनगर, रायगढ़ और औरंगाबाद में एक-एक मामले सामने आए हैं। ताजा मामला यवतमाल जिले का है। यहां दुबई से लौटे व्यक्ति कोरोना संक्रमित मिला है।

सरकार ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर: इस बीमारी से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए नैशनल हेल्पलाइन नंबर 1075 जारी किया है। सभी तरह के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में 50 से ज्यादा लोगों के जमा होने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, ये नियम शादी समारोह में लागू नहीं होंगे।

पुणे के सभी होटल्स और बार 18 मार्च से तीन दिन के लिए रहेंगे बंद, होटल्स एसोसिएशन ने स्वेच्छा से लिया फैसला

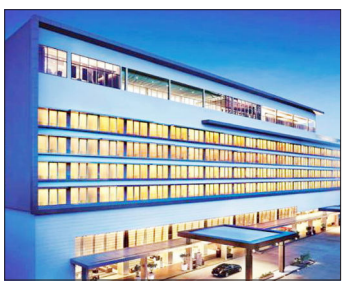

पुणे। पिंपरी चिंचवाड़ और पुणे में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए शहर के सभी होटल्स और बार को 18 मार्च से 20 मार्च तक बंद रखने का फैसला किया गया है। यह फैसला पुणे रेस्टोरेंट और होटल्स एसोसिएशन ने स्वेच्छा से लिया है। देश में यह पहली बार है जब किसी शहर में कोरोना को देखते हुए होटल और बार को बंद किया जा रहा है। महाराष्ट्र में अब तक कोरोना वायरस के 39 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। इनमें से पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में 16 मामले हैं। पुणे रेस्टोरेंट और होटल्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट गणेश शेट्टी ने बताया- मंगलवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों और पुलिस कमिश्नर के बीच एक मीटिंग हुई। मीटिंग में हमने उनके सामने तीन दिनों तक होटलों और बार को बंद रखने का अपना फैसला बताया। इसके बाद एसोसिएशन ने होटल्स को तीन दिन के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा- हम लोगों से आग्रह करेंगे कि वे एक जिम्मेदारी नागरिक की तरह हमारे इस फैसले के साथ खड़े रहें। हालांकि, इस फैसले से रेस्टोरेंट और फूड शॉप को अलग रखा गया है। महाराष्ट्र में फेडरेशन ऑफ पुणे ट्रेड एसोसिएशन ने कोरोनावायरस के प्रसार से बचने के लिए अगले तीन दिनों (19 मार्च तक) के लिए शहर में दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया है। पुणे जिला प्रशासन ने कोरोनावायरस को लेकर एक वेबसाइट बनाई है। इस पर कोई भी नागरिक या डॉक्टर खुद को रजिस्टर कर सकता है और एक मोबाइल नंबर से वेबसाइट तक पहुंच सकता है। जिसे एक ओटीपी के माध्यम से सत्यापित किया जा सकेगा। इसमें इस बीमारी से जुड़ी सभी जानकारी मौजूद रहेगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कोराना वायरस 'चीन की सनक'

एमएमसी के अध्यक्ष डॉक्टर शिवकुमार उत्तेकर ने मंगलवार को कहा, डॉक्टर अनिल पाटिल को नोटिस जारी कर पूछा गया है कि क्या वायरस को लेकर अपने दावे की पुष्टि करने वाला कोई शोध या डाटाबेस उनके पास है? उन्होंने कहा कि पाटिल ने अपने साक्षात्कार में कई ऐसे दावे किए हैं, जो कि केंद्र सरकार की ओर से जारी परामर्श का पहली नजर में उल्लंघन करते हैं। उत्तेकर ने कहा, डॉक्टर पाटिल का कोरोना वायरस के प्रकोप के बारे में केंद्र और राज्य सरकारों के परामर्श के खिलाफ बोलना अस्वीकार्य है। हमने वायरस के प्रकोप और उसकी गंभीरता को नकारने के उनके विचारों पर उनसे स्पष्टीकरण देने को कहा है। उन्होंने कहा कि पाटिल ने कथित तौर पर दावा किया था कि कोरोना वायरस से डर अनुचित है और यह वायरस यहां गर्मी के मौसम में जीवित नहीं रह पाएगा। एमएमसी प्रमुख ने कहा कि पाटिल ने यह भी दावा किया था कि कोरोना वायरस 'चीन की सनक' है, जिसका मकसद मास्क बनाने वाली कंपनियों के लिए व्यापार के अवसर पैदा करना है। साथ ही पाटिल ने यह भी दावा किया था कि चीन में वर्ष 2002 में फैले सार्स वायरस का भी भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। उत्तेकर ने कहा कि पाटिल के दावों वाला विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसके कारण लोगों में इस वायरस को लेकर लापरवाही बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है जबकि इससे संक्रमण के 38 पुष्ट मामले सामने आए हैं।

अफवाहों पर लगाम

जैसे कि पुणे में दुकानदारों ने आज अपनी दुकानें बंद की हैं। उसी तरीके से मैं मुंबई के दुकानदारों से भी अपील करता हूं कि वह भी आवश्यक दुकानों को छोड़कर अपनी दुकानें बंद रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमने किसी भी सरकारी ऑफिस में एक सप्ताह की छुट्टी नहीं दी है। सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि कैसे उपस्थिति को आधी कर के काम को पूरा किया जाए। ठाकरे ने कहा- राज्य में धार्मिक स्थल खुले हैं। मैं उनके लोगों से अपील करता हूं कि वह भी जल्द से जल्द बंद करने का निर्णय करें। देश में कोरोनावायरस के सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले महाराष्ट्र से आए हैं। मंगलवार को यहां 64 साल के संक्रमित व्यक्ति की मौत हो गई। महाराष्ट्र में कोरोनावायरस से संक्रमण के अब तक 41 मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, देश में संक्रमित लोगों का आंकड़ा 129 पर पहुंच गया है जबकि तीन लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए मुंबई से पुणे और नागपुर जाने वाली 22 ट्रेनों को 31 मार्च तक रद्द कर दिया गया है। हालांकि, मध्य रेलवे की ओर से कहा गया है कि यह निर्णय यात्री न के बराबर होने के कारण लिया गया है। मुंबई के सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट के दाम बढ़ा दिए गए हैं। मुंबई में अब प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने के लिए 50 रुपए खर्च करने होंगे। यह फैसला स्टेशन गैरजरूरी भीड़ कम करने के लिए लिया गया है। कैबिनेट बैठक में मुंबई मेट्रो और नागपुर मेट्रो को भी बंद करने पर फैसला हो सकता है। मॉल पर पाबंदी रहेगी। सभी बड़े मंदिर भी अगले आदेश तक बंद हैं।

कोरोना से लड़ाई

दूसरी ओर, चाहे चीन हो, इटली हो या फिर अमेरिका, लॉक डाउन और आइसोलेशन जैसे कड़े कदमों के बाद COVID- 19 को रोकने में मनचाही सफलता नहीं मिल रही है। वैश्विक महामारी घोषित होने के बाद अब उम्मीदें वैक्सीन की ओर लगी हैं। अच्छी बात यह है जिस तरह से वैज्ञानिकों ने सार्स, मार्स और इबोला जैसी बीमारियों के लिए वैक्सीन बनाने में जैसी एकजुटता दिखाई थी, वैसी ही कोरोना में देखने को मिल रही है। चीन ने सबसे पहले सार्स-CoV-2 के जेनेटिक मटेरियल की जांच पूरी करके उसे जनवरी में ही दुनियाभर के वैज्ञानिकों के साथ साझा कर लिया था, इसके बाद प्रोटोटाइप और अब प्रभावी वैक्सीन के परीक्षण और डेटा कलेक्शन की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

जांच में नेगिटिव हुए लोगों को महाराष्ट्र सरकार...

इस बात की पुष्टि मंगलवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने की है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजेश टोपे ने कहा-यह कदम जनता की भलाई के लिए उठाया गया है। सरकार द्वारा होम क्वारंटाइन किए गए लोगों पर नजर रखी जा रही है। इसके बावजूद अगर कोई संदिग्ध मरीज बाहर घूमता है तो जनता उसे पहचान लेगी और उससे दूरी बना लेगी। इसमें मरीज के हाथ पर वह तारीख भी लिखी गई है जब तक उसे होम क्वारंटाइन रहना है।

कोरोना मरीज ने किया था भुवनेश्वर एक्सप्रेस में सफर

संपर्क में आए थे 129 यात्री

भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की तादाद बढ़ती जा रही है। अब तक 131 लोगों के इस वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच भुवनेश्वर एक्सप्रेस में कोविड-19 से संक्रमित यात्री मिलने की खबर है। जानकारी के मुताबिक वह 129 लोगों के संपर्क में आया, जिसमें से 76 सह-यात्री थे। उसकी ट्रैवल हिस्ट्री के मुताबिक वह इटली से लौटा था। इसके बाद रेलवे ने टीटीई समेत अन्य स्टाफ को सेल्फ क्वारेंटाइन में भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे ने भुवनेश्वर राजधानी के कैटरिंग स्टाफ के 2 कर्मचारियों को ओडिशा के एक अस्पताल में भेजा है।

दो दिन पहले इटली से लौटे एक यात्री ने ट्रेन में सफर किया था। यह ट्रेन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंची थी। राजधानी के एक कोच को ओडिशा में ही अलग कर दिया गया था। वेटर ने रेलवे अधिकारियों को बताया कि वह ट्रेन में एक यात्री से मिला था, जिसकी तबीयत ठीक नहीं थी। देश में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को सभी शैक्षणिक संस्थान, सिनेमा, मल्टीप्लेक्स और पर्यटक स्थल 2 अप्रैल तक बंद कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री श्रीकांत शर्मा ने बताया, सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी स्कूल, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों को 2 अप्रैल तक बंद करने का आदेश दिया है। प्रतियोगिता एवं अन्य परीक्षाओं को भी 2 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली से सटे नोएडा में भी कोरोना वायरस के दो केस सामने आए हैं। नोएडा के सेक्टर-100 में एक महिला और एक पुरुष कोरोना वायरस से पॉजिटिव मिले है। दोनों को उनकी फैमिली के साथ क्वारेंटाइन किया गया है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 31 मार्च तक सभी जिम, नाइट क्लब बंद करवा दिये हैं। 50 से ज्यादा लोगों को एक जगह इकट्ठा होने पर भी रोक लगा दी गई है।

केजरीवाल ने कहा है कि हो सके तो शादियां भी टाल दें। दूसरी ओर, भारत सरकार ने कोरोना के मरीजों के अस्पताल से डिस्चार्ज करने के लिए नई पॉलिसी जारी की है। इसके तहत 24 घंटे में दो बार सैंपल टेस्ट किए जाते हैं और दोनों नेगेटिव आने पर डिस्चार्ज किया जाता है क्योंकि सवाल ये उठ रहा था कि आखिर कैसे पता चलता है कि कोई शख्स पूरी तरह ठीक है और उसे अस्पताल से घर भेजा जा सकता है। क्योंकि अगर मरीज पूरी तरह ठीक नहीं हुआ तो वायरस के फैलने की संभावना है।

राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई बोले...

शपथ लेने के बाद विस्तार से बताऊंगा कि मैंने राज्यसभा का प्रस्ताव क्यों स्वीकारा

पूर्व चीफ जस्टिस रंजन गोगोई को सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राज्यसभा के लिए नामित किया। मंगलवार को जस्टिस गोगोई ने इस मामले पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, संभवतः कल मैं दिल्ली जाऊंगा। पहले मुझे शपथ ले लेने दीजिए। इसके बाद मैं मीडिया से विस्तार में बात करूंगा कि आखिर क्यों मैंने राज्यसभा जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। जस्टिस गोगोई ने कहा, राष्ट्रपति द्वारा मुझे राज्यसभा भेजने के इस फैसले को मैं स्वीकार करता हूं। यह एक अवसर है, जहां से मैं चौथे स्तंभ का पक्ष और उनकी बातों को संसद में रख सकता हूं। वहीं संसद की बात को भी न्यायपालिका के सामने रखने का भी मौका है। बशर्ते वह सुनने के लिए तैयार हों। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह भाजपा ज्वाइन करेंगे? इस पर उन्होंने कहा, इसका कोई सवाल ही नहीं उठता। जस्टिस गोगाई से पूछा गया कि संवैधानिक अदालतों के न्यायाधीश के रूप में लगभग दो दशकों के कार्यकाल के बाद आप बतौर राज्यसभा सांसद अपनी भूमिका किस तरह से देखते हैं? इस पर उन्होंने कहा, न्यायपालिका और विधायिका दो महत्वपूर्ण अंग हैं। मुझे दोनों के साथ काम करने का अवसर मिला है, जहां से राष्ट्र को आगे ले जा सकूं। जस्टिस गोगोई 13 महीने चीफ जस्टिस रहे। 17 नवंबर 2019 को वे रिटायर हुए। उनके द्वारा सुनाए गए अहम फैसलों में अयोध्या और राफेल विवाद हैं। इससे पहले जस्टिस रंगनाथ मिश्रा भी कांग्रेस से जुड़कर संसद तक पहुंचे थे, जबकि पूर्व सीजेआई पी. सतशिवम को मोदी सरकार ने केरल का राज्यपाल बनाया था।

रिटायर होने से पहले जस्टिस गोगोई ने 10 दिन में दिए थे 5 फैसले

पहला फैसला: अयोध्या रामजन्मभूमि विवाद मामले में जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने विवादित भूमि पर राम मंदिर बनाने का फैसला दिया। मुस्लिमों को मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ जमीन दूसरी जगह दिए जाने का भी आदेश दिया।

दूसरा मामला: राफेल विमान सौदे में लगे घोटाले के आरोपों को लेकर जस्टिस गोगोई ने मोदी सरकार को बड़ी राहत दी। सीजेआई की अगुआई वाली बेंच ने राफेल मामले में दायर हुईं सभी पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

तीसरा फैसला: सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को 'चौकीदार चोर है' वाले बयान पर माफी मांगने को कहा था। इस मामले में भाजपा प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी ने याचिका दाखिल की थी।

चौथा फैसला: सबरीमाला मंदिर महिलाओं के प्रवेश को लेकर था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 2018 के फैसले को बरकरार रखा था और मामला सात सदस्यीय संविधान पीठ को भेज दिया था।

पांचवा मामला: वित्त कानून-2017 के संशोधन को लेकर था। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने कानून में संशोधनों को लेकर रोक लगा दी थी और मामला सात सदस्यीय पीठ को भेज दिया था।

5 दिन में दिखें ये 3 लक्षण, तो जरूर करवा लें कोरोना वायरस की जांच

संवाददाता

कोरोना वायरस का खतरा हर दिन बढ़ता जा रहा है। इस जानलेवा वायरस की चपेट में आने वाले लोगों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। पूरी दुनिया में अब तक डेढ़ लाख से ज्यादा लोग कोरोना वायरस का शिकार हो चुके हैं। एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पहले 5 दिनों के भीतर शरीर में 3 खास लक्षण नजर आने पर कोरोना वायरस की शिकायत हो सकती है। जर्नल एनल ऑफ इंटरनल मेडिसिन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना वायरस के तीन खास तरह के लक्षण पहले पांच दिनों के अंदर सामने आ जाते हैं। आइए जानते हैं ये 3 लक्षण क्या हैं।

1. अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा जारी इस रिपोर्ट बताया गया है कि कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद पहले 5 दिनों में इंसान को सूखी खांसी आनी शुरू हो जाती है।
2. मरीज को तेज बुखार चढ़ने लगता है और उसके शरीर का तापमान काफी ज्यादा बढ़ जाता है। अब तक कई हेल्थ एक्सपर्ट कोरोना वायरस में तेज बुखार चढ़ने का दावा कर चुके हैं।
3. कोरोना वायरस की शिकायत होने पर पहले 5 दिनों में इंसान को सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सांस की समस्या फेफड़ों में बलगम फैलने की वजह से होती है।

नेशनल हेल्थ सेंटर (एनएचएस) और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने भी कोरोना वायरस में यही लक्षण होने का दावा किया था। इसमें बदन दर्द और जुकाम जैसी भी समस्याओं के बारे में बताया गया था। शोधकर्ताओं ने यह रिसर्च चीन के वुहान शहर के बाहर करीब 50 इलाकों में किया है। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने इस दौरान लोगों को 14 दिनों के लिए सेल्फ आइसोलेट रहने की भी सलाह दी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कोरोना वायरस से मिलते-जुलते लक्षण आम-सर्दी जुकाम, फ्लू, इफेक्शन या निमोनिया से काफी मिलते-जुलते हैं। लेकिन सामान्य तौर पर होने वाले फ्लू-इफेक्शन में कुछ दिनों के भीतर मरीज की रिकवरी होने लगती है। जबकि निमोनिया कुछ हफ्तों या महीने तक रहता है।

गणेश अचार्य ने अपनी पत्नी विधि आचार्य को एक सरप्राइज गिफ़्ट दिया

डांस मास्टर गणेश आचार्य को पता है की पत्नी को कैसे खुश रखते हैं। हाल ही में गणेश आचार्य ने अपनी पत्नी विधि का नाम अपने हाथ पे लिखवाया और अपनी पत्नी को सरप्राइज कर दिया। विधि ने जब हाथ पे नाम देखा तो वो खुश हो गई। उन्होंने कहा ये मेरे लिए सबसे प्यारा और अनमोल गिफ्ट है। गणेश आचार्य ने कहा की वैसे मुझे टैटू पसंद नहीं है पर अपनी पत्नी के लिए मैंने ऐसा किया और उसकी खुशी देखकर मैं बहुत खुश हुआ। हमलोग की शादी को १९ साल हो गए हैं और विधि बहुत बड़ी शिव भक्त है। विधि हर सोमवार को शिव मंदिर जाती है। विधि की शिव भक्ति को देखकर मैंने अपने हाथ पे विधि का नाम शिवजी के त्रिशूल और ॐ के साथ लिखवाया।

कोरोना के कहर से फीकी पड़ी सोने-चांदी की चमक, 40 हजार से नीचे आया गोल्ड

कोरोना के कहर सराफा बाजार भी दबाव में दिख रहा है। सोने की कीमत 40 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे पहुंच गई है। इसी तरह चांदी में भारी गिरावट है। जानकारों के मुताबिक सोने-चांदी में अभी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। भारतीय वायदा बाजार में अप्रैल गोल्ड फ्यूचर 40 हजार प्रति 10 ग्राम से नीचे चला गया है। हालांकि इसमें मंगलवार को थोड़ी मजबूती दिख रही है। कोरोना वायरस की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की हाजिर कीमतों पर काफी दबाव है। सोमवार को हाजिर बाजार में सोना नवंबर के लेवल से करीब 5 फीसदी तक टूटकर 1,511.30 प्रति औंस तक पहुंच गया था। भारतीय सराफा बाजार में सोमवार को फिर बिकवाली के भारी दबाव में सोना 2,000 रुपये प्रति 10 ग्राम टूटा तो चांदी में 6,000 रुपये प्रति किलो से ज्यादा की गिरावट आई। सोने का भाव भारतीय सराफा बाजार में 40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे आ गया। वहीं, चांदी लुढ़ककर 36,640 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MC) में मंगलवार को सुबह अप्रैल गोल्ड के सौदे 39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हुए। जानकारों का मानना है कि अभी कुछ समय के लिए सोने में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है और 38,000 से 39,000 के बीच इसे सपोर्ट मिल सकता है।

क्यों टूटे कीमती धातु

कोरोना की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजार हलकान हैं। इसकी वजह से सोने-चांदी पर भी दबाव बन रहा है। असल में कोरोना की वजह से दुनियाभर में लॉकडाउन की स्थिति है, ऐसे में इन कीमती धातुओं के खरीदार भी कम हो रहे हैं। सराफा के वायदा सौदों में मार्जिन बढ़ाई जा रही है और गोल्ड ईटीएफ भी बिकवाली कर रहे हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के नेशनल सेकेट्री सुरेंद्र मेहता ने बताया कि शेयर बाजार में भारी गिरावट के समय निवेशकों के लिए महंगी धातुएं सोना और चांदी संकटमोचक बन गईं और वे सोना और चांदी बेचकर अपनी नकदी की जरूरतों को पूरा करने लगे। देश के सराफा बाजार में 999 शुद्धता के सोने का भाव शुक्रवार के 43,085 रुपये प्रति किलो से 6,445 रुपये लुढ़ककर 36,640 रुपये प्रति किलो पर आ गया। हालांकि विदेशी बाजार में महंगी धातु में आई रिवकरी के बाद भारतीय वायदा बाजार में भी देर रात सोने-चांदी में थोड़ी रिकवरी दर्ज की गई। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि शेयर बाजार में भारी गिरावट के कारण कारोबारी अपने मार्जिन कॉल को पूरा करने के लिए सोने और चांदी में बिकवाली करने लगे जिससे दोनों महंगी धातुओं में भारी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती से भी सोने और चांदी को सहारा नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार कॉमेक्स पर सोने अप्रैल अनुबंध में पिछले सत्र से 3.95 डॉलर की गिरावट के साथ 1,512.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार चल रहा था जबकि इससे पहले सोने का भाव 1,451 डॉलर प्रति औंस तक फिसला।

निर्भया केस: दोषी की पत्नी ने दाखिल की तलाक याचिका, कहा- विधवा बन कर नहीं जी सकती

निर्भया कांड के आरोपी अक्षय की पत्नी ने बहार के औरंगाबाद की अदालत में तलाक की अर्जी दाखिल की है। दायर अर्जी में अक्षय की पत्नी ने कहा कि वो विधवा बनकर नहीं जी सकती, इसलिए उसे तलाक दिया जाए। औरंगाबाद के लहंगकर्मा गांव के रहने वाला अक्षय ठाकुर निर्भया कांड का दोषी है और 20 मार्च को उसके तीन साथियों के साथ उसे दिल्ली के तिहाड जेल में फांसी दी जाने वाली है। उससे पहले उसकी पत्नी ने औरंगाबाद कोर्ट में ये अर्जी दाखिल की है जिस पर सुनवाई 19 मार्च को होनी तय हुई है। अक्षय ठाकुर की पत्नी पुनीता ने कोर्ट में दी अर्जी में कहा कि पति को निर्भया के दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराया गया है और कोर्ट से मिली सजा के तौर पर उसे फांसी दी जानी है। अक्षय की पत्नी ने अर्जी में लिखा है कि मेरे पति निर्दोष हैं, ऐसे में मैं उनकी विधवा बनकर नहीं रहना चाहती, इसलिए उसे अपने पति से तलाक चाहिए।

बलात्कारी की पत्नी ले सकती है तलाक

पुनीता ने हिन्दू विवाह अधिनियम 13.2.2 के अंतर्गत तलाक मामला दायर किया है। पुनीता ने अदालत में दी गई अर्जी में लिखा है कि वैसे तो उसका पति निर्दोष है लेकिन न्यायालय के दृष्टिकोण से वो दोषी है। कानून के मुताबिक बलात्कारी की पत्नी तलाक ले सकती है क्योंकि वो विधवा के रूप में गुजर-बसर करने के लिए तैयार नहीं है। अक्षय की पत्नी के वकील मुकेश कुमार सिंह का कहना है कि महिला को विधिक अधिकार है कि हिन्दू विवाह अधिनियम के प्रावधानों के तहत बलात्कार या अन्य मामलों में तलाक ले सकती हैं। वकील का कहना है कि दुष्कर्म के मामले में अगर पति दोषी ठहरा दिया जाता है तो महिला को अधिकार है कि वो तलाक ले सकती हैं। औरंगाबाद परिवार न्यायालय इस पर 19 मार्च को सुनवाई करेगा।

तिहाड़ जेल में कोरोना का खौफ, कैदियों के लिए बनाए जा रहे हैं आइसोलेशन वार्ड

कोरोना ने दुनिया के किसी कोने को नहीं छोड़ा। अलबत्ता कोरोना के चक्कर में ईरान को अपनी जेल में बंद करीब 70 हजार कैदियों को जरूर छोड़ना पड़ा। सिर्फ इस डर से कि कहीं जेल में कोरोना दाखिल हो गया तो कैदियों का क्या होगा? ईरान से दूर दिल्ली की तिहाड़ जेल को भी यही चिंता सता रही है। तिहाड़ जेल पिछले दो-तीन महीनों से लगातार सुर्खियों में है। क्योंकि इसी तिहाड़ की जेल नंबर तीन में निर्भया के चारों गुनहगारों यानी मुकेश, पवन, अक्ष्य और विनय को 20 मार्च की सुबह साढ़े पांच बजे फांसी दी जानी है। मगर फांसी से पहले तिहाड़ कोरोना को लेकर परेशान है। और परेशानी की सबसे बड़ी वजह है तिहाड़ में कैदियों की जबरदस्त भीड़। दिल्ली की सभी जेलों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। जेल में आने वाले हर नए कैदी की स्क्रीनिंग हो रही है। तिहाड़ में कुल 9 जेल है। तिहाड़ के अलावा दिल्ली के रोहिणी में 1 जेल और मंडोली में 6 जेल हैं। यानी कुल मिला कर दिल्ली में 16 जेल हैं। इन 16 जेलों की कुल क्षमता करीब 10 हजार है, जबकि इस वक्त इन जेलों में लगभग 18 हजार कैदी रह रहे हैं। और यही सबसे बड़ी चिंता की बात है। एक तो कैदियों का जेल से कोर्ट आना-जाना, दूसरा कैदियों की घर-रिश्तेदारों से मुलाकात और फिर एक-एक सेल में क्षमता से अदिक कैदियों का एक साथ रहना।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सीएम योगी बोले, कोरोना वायरस से कम नहीं हैं सीएए के खिलाफ उपद्रव करने वाले 'दंगाई'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नागरिकता संशोधन कानून (उअअ) के खिलाफ हिंसा देखने को मिली थी। अब हिंसा को भड़काने के आरोपियों के होर्डिंग्स लखनऊ के अलग-अलग चौराहों पर लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएए विरोधी प्रदर्शनों के आरोपियों की तुलना कोरोना वायरस से की है।

योगी ने सोमवार को कहा कि सबको मालूम है कि कोरोना वायरस दुश्मन है लेकिन मानवता का दूसरा दुश्मन भी है जो मानवीय चेहरा लगाकर खड़ा है। जो निहित स्वार्थों के लिए आगजनी-तोड़फोड़ कर मानवीय मूल्यों पर प्रहार करता है। जब इनके अनैतिक कृत्य रोको तो ये कालनेमि के रूप में दूसरा चेरहा प्रस्तुत करते हैं। कोरोना और पोस्टर वाले चेहरे दोनों समाज के लिए खतरनाक हैं।

एक कार्यक्रम में सोमवार को कोरोना के बचाव से ज्यादा

प्रदर्शनकारियों के पोस्टर पर योगी ने कहा कि पोस्टर में लगे चेहरों को देखिए। एनजीओ के नाम पर, अन्य संगठनों के नाम पर जो चेहरे देखने-पढ़ने में मानवता के बड़े हितैषी लगते हैं, वे क्या कर रहे हैं। इनकी वास्तविक कारगुजारी देखेंगे तो ये मानवता के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में सामने आएंगे। जनता को वास्तविक दुश्मनों को पहचानना जरूरी है, जिससे वे इन वायरस से बच सकें।

सीएम ने कहा कि आरोपियों के पोस्टर लगाकर सरकार ने न किसी की छवि धूमिल की है, न निजता का उल्लंघन किया है। इनके चेहरे मीडिया में तोड़-फोड़ करते, हिंसा फैलाते पहले ही आ चुके हैं। इनकी जान को कोई खतरा नहीं है बल्कि ये खुद समाज की जान के लिए खतरा हैं। इसके खिलाफ पुख्ता प्रमाण हैं।

संपत्ति जब्त करने संबंधी अध्यादेश पर सीएम ने कहा कि इसे 2009 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और 2011 के शासनादेश के क्रम में लाया गया है। योगी ने फिर दोहराया कि सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की गोली से कोई नहीं मरा। वे दंगाई थे और खुद अपनी ही गोली से मरे।

मध्य प्रदेश में जल्द फ्लोर टेस्ट की याचिका पर सुनवाई टली

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द से जल्द फ्लोर टेस्ट की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टल गई है। अब बीजेपी नेताओं की इस याचिका पर बुधवार सुबह 10.30 बजे सुनवाई होगी। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से फ्लोर टेस्ट की मांग हुई थी। बीजेपी नेता शिवराज सिंह चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में इसके लिए याचिका दायर की थी। बीजेपी ने उम्मीद जताई थी कि कर्नाटक की कहानी मध्य प्रदेश में दोहराई जाएगी। फ्लोर टेस्ट को लेकर सोमवार को भोपाल में सुबह से रात तक काफी गहमागहमी रही। सुबह विधानसभा की कार्यवाही राज्यपाल के भाषण से हुई, राज्यपाल ने एक मिनट में भाषण दिया और चल दिए। इसके बाद स्पीकर ने 26 मार्च तक कोरोना के नाम पर विधानसभा स्थगित कर दी।

तीन दिन बाद निर्भया के दोषियों को फांसी, आज तिहाड़ आएंगे पवन जल्लाद

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने निर्भया के दरिंदों को 20 मार्च को फांसी देने का हुक्म दिया है। ये दोषी पैतड़ेबाजी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। फांसी की तारीख से तीन दिन पहले यानी आज पवन जल्लाद तिहाड़ जेल पहुंचेंगे। इससे पहले भी वह तिहाड़ जेल आए थे और फांसी का सांकेतिक ट्रायल भी हुआ था। इन चारों दोषियों की फांसी तीन बार टल चुकी है। माना जा रहा है कि 20 मार्च को उनकी फांसी हो जाएगी। तिहाड़ प्रशासन ने भी फांसी की तैयारियां पूरी कर ली हैं। उधर इन दोषियों ने अब कउख का दरवाजा खटखटा दिया है। हालांकि वहां इस मामले की सुनवाई मुश्किल ही होगी।

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने बाताय है कि पवन जल्लाद 17 मार्च को तिहाड़ पहुंच जाएंगे। डमी के जरिए एक बार फिर फांसी का अभ्यास किया जाएगा। इन दोषियों के वकील एपी सिंह एक के बाद एक अड़ंगा लगाकर फांसी रुकवाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ये दोषी राष्ट्रपति से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक बार बार गुहार लगा रहे हैं। इनकी याचिका पर याचिका खारिज हो रही है। वकील एपी सिंह ने कहा है कि दुनिया के कई संगठन इस फांसी के खिलाफ हैं। हालांकि किसी संगठन के तरफ से ऐसी बात सामने नहीं आई है।

पवन मेरठ में रहते हैं और परदादा की पीढ़ी से उनके परिवार में यह काम होता आया है। उनके परिवार में उनकी पत्नी और सात बच्चे हैं। वह मेरठ में टायरों की मरम्मत का काम करते हैं। वह अपने दादा कालू राम के साथ पांच बार फांसी देने के समय मौजूद रहे। उनके दादा ने कुख्यात अपराधी रंगा बिल्ला को भी फांसी दी थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारों को फांसी दी।

तीसरी बार पवन को तिहाड़ बुलाया गया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने चारों दोषियों को फांसी देने के लिए फिर से डेथ वारंट जारी किया है। इन दोषियों को तीन मार्च को फांसी होनी थी, लेकिन दया याचिका लंबित होने को ध्यान में रखते हुए अदालत ने 2 मार्च को फांसी पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी।

सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने दोषी मुकेश सिंह की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपने सभी कानूनी उपायों को यह कहते हुए बहाल करने का अनुरोध किया था कि उसके पुराने वकील ने उसे गुमराह किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी कानूनी उपायों को बहाल करने का अनुरोध करने वाली निर्भया मामले के दोषी मुकेश सिंह की याचिका विचार करने लायक नहीं है।

सरकार ने 50 से ज्यादा एकत्र होने को रोका, मानने को तैयार नहीं शाहीन बाग, प्रोटेस्टर बोले- नकाब ही मास्क

नई दिल्ली। सोमवार को दिल्ली सरकार के आदेश आने के बाद भी शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन स्थल से हटने से साफ इनकार कर दिया है। हालांकि अब ज्यादा लोग शाहीन बाग में नहीं जुट रहे हैं। दरअसल, सरकार के आदेश के अनुसार 50 से ज्यादा लोग कहीं भी इकट्ठा नहीं हो सकते हैं। ऐसे में पिछले 93 दिनों से शाहीन बाग में चल रहे प्रदर्शन में रोजाना सैकड़ों लोग इकट्ठा होते हैं और सीएए, एनआरसी व एनपीआर के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। जो कि आदेश आने के बाद भी जारी रहा।

प्रोटेस्टर हिना अहमद का कहना है कि वह जरूरत पड़ने पर 50-50 के समूह बनाकर प्रदर्शन स्थल पर बैठेंगी। उन्होंने कहा, 'हम शेड्यूल बनाएंगे, जिसके तहत लोगों को प्रदर्शन स्थल पर बैठाया जाएगा। साथ ही फीवर मीटर भी लाएंगे। ताकि

एंट्री पर ही लोगों को चेक कर सके। साथ ही मेडिकल कैंप में सैनिटाइजर भी रखा गया है। बाकि भी कई तरह की सुविधा भी मौजूद हैं। कोरोना वायरस के बचाव को देखते हुए सभी तरह के उचित कदम उठाए जा रहे हैं। महिलाओं को मास्क पहनने, हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है। घर व बाहर हाथ धोने व साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मानते हैं कि कोरोना वायरस बहुत बड़ी समस्या है, मगर डॉक्टर कह रहे हैं कि अगर आप एहतियात करेंगे तो यह इतनी बड़ी समस्या भी नहीं है, और प्रदर्शनकारी हर तरह का एहतियात बरत रहे हैं।

अपने घर से ही सेनिटाइजर लेकर आ रहे है। एक दूसरे से दूरी बनाकर रख रहे हैं। साथ ही बार-बार मंच से घोषणा भी कर रहे है कि जिन व्यक्ति को फीवर, कोल्ड और खांसी हो रही है, तो उन्हें प्रदर्शन में नहीं आना चाहिए। प्रदर्शनकारी फरहीन का कहना है कि हमारा नकाब ही, मास्क हैं और जो महिलाएं नकाब पहनकर नहीं आ रही है, वो मास्क पहनकर आ रही है। हमें कोरोना से डर नहीं लगता है।

सरकार बस कोरोना का नाम लेकर लोगों को डराना चाहती हैं। मगर हमारे लिए कोरोना से बड़ा सीएए, एनआरसी और एनपीआर वायरस है। जब तक यह नहीं हटेगा। हम यहां से नहीं जाएंगे।

कोरोनाः कैसे चेक होंगी यूपी बोर्ड की 3 करोड़ कॉपियां? टीचर खड़े कर रहे हाथ

प्रयागराज। देश में कोरोना वायरस को लेकर फैली आशंकाओं के बीच यूपी बोर्ड की कॉपियां जांचने का काम जारी है। हालांकि, मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों पर कोरोना का खौफ साफ तौर पर दिखायी दे रहा है। इसलिए मूल्यांकन में कम शिक्षक ही केन्द्रों पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि तय समय में कैसे तीन करोड़ से ज्यादा कॉपियों को जांचने का काम पूरा हो पाएगा। बता दें कि यूपी में अब तक कोरोना के 13 मामले सामने आ चुके हैं।

दावा किया जा रहा है कि मूल्यांकन के लिए बनाए गए केन्द्रों पर शासन के निर्देश पर सेनेटाइजर, लिक्विड हैंडवॉश और साफ टॉवेल का इंतजाम किया जा रहा है। इसके साथ ही कॉलेज परिसर की साफ-सफाई के साथ ही दरवाजों के हैंडल और कुर्सी टेबल को भी सेनेटाइज किया जा रहा है। जबकि हकीकत इससे जुदा नजर आई। प्रयागराज के जीजीआईसी में बनाए गए मूल्यांकन केन्द्र पर शिक्षकों के बीच बैठने की दूरी एक मीटर से कम रखी गई है, इससे नाराजगी भी देखी जा रही है। इस केन्द्र पर कई शिक्षकों ने साफ-सफाई को लेकर भी सवाल खड़े किए। दूसरे केन्द्रों पर भी कमोवेश यही हाल दिखा। शिक्षकों ने कोरोना के तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुए कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य एक सप्ताह के लिए टालने की मांग की है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में 'अनार्य' सारा अली खान ने किया दर्शन-पूजन, विवाद

वाराणसी। बॉलिवुड अभिनेत्री और सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने को लेकर विवाद शुरू हो गया है। काशी के कुछ पुरोहित जहां इसे परंपरा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कुछ लोगों का कहना है कि 'मोटी दक्षिणा' के लालच में पुजारियों ने मंदिर की सैकड़ों सालों से चली आ रही व्यवस्था से छेड़छाड़ की है।

काशी विकास समिति ने सारा अली खान के दर्शन-दूजन को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। समिति के महासचिव चंद्रशेखर कपूर का कहना है कि इस तरह से सारा का दर्शन-पूजन करना न सिर्फ परंपराओं को तोड़ने वाला है, बल्कि इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। एनबीटी ऑनलाइन से बातचीत में चंद्रशेखर ने कहा, 'काशी विश्वनाथ

मंदिर में अनार्यों का प्रवेश निषेध है, इसे लेकर बाकायदा कुछ समय पहले तक एक बोर्ड भी लगा हुआ था। बावजूद इसके कुछ पुजारियों ने सारा अली खान को मंदिर में प्रवेश दिया और स्पर्श दर्शन कराए। हो सकता है कि यह 'मोटी दक्षिणा' के चक्कर में किया गया हो, लेकिन यह गलत है।'

चंद्रशेखर ने कहा, 'इस मामले पर विश्वनाथ मंदिर प्रशासन कहता है कि उसे इसकी जानकारी ही नहीं। यह तो और भी बड़ा लूपहोल है। आखिर इतनी बड़ी अभिनेत्री मंदिर आई, पूजा की, पास की मार्केट में विडियो बनाती रही, और प्रशासन को जानकारी ही नहीं मिली। आखिर वहां खुफियां एजेंसियां और पुलिस कर क्या रही थीं?' उन्होंने मांग की कि अनार्यों के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर में शिखर दर्शन की व्यवस्था है, इस परंपरा को किस आधार पर तोड़ा गया और उसके लिए कौन दोषी है, इसकी जांच होनी चाहिए।

वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को कहना है कि सारा ने अगर मंदिर में दर्शन-पूजन किया तो उसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि वह अमृता सिंह की बेटी हैं और अमृता हिंदू हैं।

मुंबई से मांडवा के बीच रोपैक्स शुरू, देखें शानदार तस्वीरें

मुंबई से मांडवा के बीच रोपैक्स शुरू, देखें शानदार तस्वीरेंमुंबई से मांडवा के बीच रोपैक्स सेवा की शुरूआत रविवार से हो गई है। कोरोना वायरस की वजह से सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द होने की वजह से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत अन्य राजनेताओं ने उद्घाटन से दूरी बनाए रखी। मुंबई (भाऊ का धक्का) से मांडवा (अलीबाग) के बीच यह सेवा हर 3 घंटे में उपलब्ध होगी।

कम होगी मुंबई से मांडवा की दूरी

रोपैक्स के शुरू हो जाने से मुंबई से मांडवा की 109 किमी की दूरी केवल 19 किमी में सिमट गई है। सड़क मार्ग से मुंबई से मांडवा की 109 किमी की दूरी तय करने में करीब 2 घंटे 55 मिनट का समय लगता है। रो-पैक्स के माध्यम से केवल 45 मिनट में लोग अपने वाहनों के साथ यह सफर कर पाएंगे।

225 से 555 रुपये है किराया

इस सेवा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को 225 रुपये से 555 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिप ने तीन श्रेणियां तैयार की हैं। शिप ने ऊपरी डेक से सफर करने के लिए एक यात्री को 225 रुपये, एसी डेक से सफर के लिए 335 रुपये और वीआईपी लॉन्च का लुप्त उठाने के लिए 555 रुपये खर्च करने पड़ेंगे।

वाहन भी ले जा सकते हैं साथ

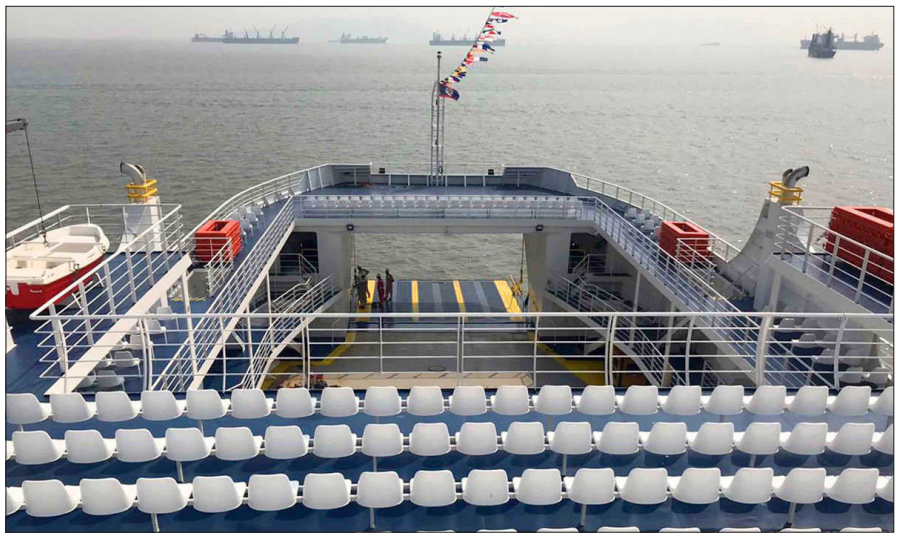

वाहनों के साथ सफर के लिए लोगों को 800 रुपये से 1760 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। छोटी कार के साथ सफर करने के लिए 880 रुपये चुकाने होंगे। एसयूवी के साथ सागर में सफर करने के लिए 1320 रुपए से 1760 रुपये खर्च करने होंगे।

कर सकते हैं ऑनलाइन बुकिंग

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय भाटिया के अनुसार, इस मार्ग पर हर साल करीब 15 लाख लोग सफर करते हैं। रोपैक्स के शुरू होने से यात्रियों के समय के साथ ईंधन की भी बचत होगी। 19 मार्च से यात्री ६६६.2ीं१श्रीर.ङ्क इस बेवसाइट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट भी बुक कर सकते हैं।

पिकअप और ड्रॉप की सुविधा

जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों को पिक अप और ड्रॉप की भी सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। यात्रियों को भाऊ का धक्का ले जाने और छोड़ने के लिए चर्चगेट, सीएसएमटी और डॉकयार्ड स्टेशन के बीच बस सेवा की शुरूआत की जाएगी।

शिमला आने वालों को 01 अप्रैल से देना पड़ सकता है ग्रीन टैक्स

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला गर्मी के मौसम में छुट्टियां बिताने के लिए भारत में बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स में से एक है। लेकिन पिछले कुछ समय से देश के अन्य हिस्सों के साथ शिमला के लिए भी प्रदूषण परेशानी का कारण बना हुआ है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने राज्य में बाहर से आने वाली और अन्य राज्यों में पंजीकृत गाड़ियों पर पर ग्रीन टैक्स लगाने की तैयारी में है। इस संदर्भ में शिमला म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने राज्य सरकार के पास मंजूरी के लिए प्रोपोजल भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आगामी 1 अप्रैल, 2020 से शिमला के ट्रिप की प्लानिंग कर रहे लोगों को पहले से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार, शिमला नगर निगम ने 1 अप्रैल, 2020 से शहर में प्रवेश करने वाली गाड़ियों पर ग्रीन टैक्स लगाने का फैसला किया है। सभी पर्यटकों और दूसरे राज्य में पंजीकृत बाहरी गाड़ियों को शिमला में प्रवेश करने के लिए अतिरिक्त कर देना होगा। नगर निगम ने ग्रीन टैक्स की दरें भी तय की गई थीं। नगर निगम द्वारा तय किए दोपहिया वाहनों के लिए 50 रुपये, चार पहिया वाहन के लिए 200 और बस व ट्रक के लिए 300 रुपये फीस निर्धारित की गई थी। निगम ने राज्य सरकार को अपनी प्लानिंग के बारे में बताने के बाद नगर निगम इस मामले को एक बार फिर सदन में लेकर जाएगा और शहर में ग्रीन टैक्स वसूलना शुरू करेगा। हालांकि शिमला में ग्रीन टैक्स की वसूली के लिए कोई बैरियर नहीं लगेगा। यह सिर्फ ऑनलाइन या ऐप के जरिए वसूला जाएगा। शिमला में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए इस टैक्स की घोषणा की गई है। इससे पहले नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्थानीय शहरी निकाय को पर्यटकों से ग्रीन टैक्स वसूलने का निर्देश दिया था। कुछ साल पहले भी ऐसा नियम लागू किया गया था, लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया था।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नए अनुबंध की दिशा में सफलता मिलेगी। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

वृष
आर्थिक योजना सार्थक होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या बहन के कारण तनाव मिल सकता है। जबकि उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मिथुन
व्यावसायिक योजना सार्थक होगी। मैत्री संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी लेकिन शिक्षा या संतान तनाव का कारण रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह
पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाही खर्च से बचना चाहिए। धन हानि की आशंका है। स्वास्थ्य और प्रतिष्ठा में जोखिम न उठाएं।

तुला
किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। शाही खर्च से बचें। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित में न हो। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

धनु
मन अज्ञात भय से ग्रसित रहेगा। छोटी-छोटी बातों में उत्तेजित होंगे। वाणी पर संयम रखें। संतान का सहयोग रहेगा।

मकर
स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

कुंभ
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

मीन
शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

जब डॉगी ही बन गया मालिक का जिम ट्रेनर! ये वीडियो देख आप भी यकीन कर लेंगे

आधुनिक समय में हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है। इसके लिए हर कोई घंटों जिम में वर्कआउट कर पसीना बहाता है तो कोई योग करता है। हालांकि, लोगों की शिकायत रहती है कि अकेले जिम जाने और योग करने में मजा नहीं आता है। अगर कोई साथ रहे तो फिर एक्सरसाइज करने में दोगुना मजा आता है, लेकिन ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता है कि उसे वर्कआउट के लिए पार्टनर मिल जाएं।

डॉगी मैग्नस सर्टिफाइड थैरेपी डॉग है

जी हां, जरूरी नहीं है कि वर्कआउट के लिए ह्यूमन बीइंग पार्टनर ही चाहिए। आप चाहे तो अपने पेट (पालतू जानवर) को लेकर भी वर्क आउट कर सकते हैं। इस बात की पुष्टि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो से होती है, जिसमें एक शख्स अपने डॉगी के साथ वर्क आउट करता दिख रहा है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, बुधवार
18 मार्च, 2020

खेल मंत्रालय ने सभी ट्रेनिंग कैंप किए बंद

नई दिल्ली। चीन के वुहान शहर से फैली कोरोना वायरस की महामारी ने दुनियाभर को अपनी चपेट में ले लिया है। कोरोना वायरस की वजह से खेलों पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे में भारत सरकार ने खिलाड़ियों के सभी ट्रेनिंग कैंप बंद करने का फैसला किया है। वहीं, पाकिस्तान सुपर लीग 2020 को भी बंद कर दिया गया है।

पाकिस्तान में खेली जा रही पाकिस्तान सुपर लीग 2020 के सिर्फ 3 मुकाबले बाकी थी, जिनमें दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मुकाबला था, लेकिन इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस लीग को बंद करने का फैसला लिया है। कोरोना वायरस की वजह से ये आखिरी क्रिकेट टूर्नामेंट भी बंद हो गया है। पीएसएल 2020 के आखिरी कुछ मैच खाली स्टेडियम में आयोजित कराए गए थे।

मंगलवार की दोपहर को खेल मंत्री किरण रिजिजू की दफ्तर से जारी बयान के मुताबिक, सभी राष्ट्रीय कैंप कोरोना वायरस की वजह से स्थिगित किए जा रहे हैं, जिसमें टोक्यो ओलंपिक 2020 की तैयारी कर रहे एथलीट भी शामिल हैं। दर्जनों एथलीट टोक्यो

ओलंपिक के लिए तैयारी नहीं कर पाएंगे। इससे पहले 16 मार्च को खेल मंत्रालय ने खेल से जुड़े सारे एकेडमिक सेशन उडश्कऊ 19 की वजह से रद कर दिए थे।

कोरोना से फुटबॉल कोच की मौत

कोरोना वायरस के कारण स्पेन की युवा टीम के कोच फ्रांसिस्को ग्रेसिया की मौत हो गई है। 21 साल के ग्रेसिया पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। इतना ही नहीं, एक दर्जन से ज्यादा फुटबॉलर कोरोना वायरस के टेस्ट में पॉजिटिव सामने आए हैं।

कोरोना से खौफ में बीसीसीआई, स्टाफ को घर से काम करने का दिया आदेश

नई दिल्ली। विश्व भर में कोरोना वायरस के कारण हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं. इस महामारी के कारण दुनिया मानो थम सी गई है. कोरोना के प्रकोप के कारण कई खेल आयोजन भी रद्द किए जा रहे हैं.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने देश में कोरोनावायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मंगलवार से अपने कर्मचारियों को घर से ही काम करने का आदेश दिया है.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा कोरोनावायरस को महामारी घोषित करने के बाद बीसीसीआई का मुंबई मुख्यालय से भीड़ को दूर रखने के लिए सभी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है.

साइना नेहवालः भारतीय बैडमिंटन की पोस्टर गर्ल, जिसने कराटे छोड़ थामा था रैकेट

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन की पोस्टर गर्ल साइना नेहवाल का आज जन्मदिन है। साइना आज तीस वर्ष की हो गईं। पिछले कुछ सालों में भारतीय बैडमिंटन ने दुनिया में अपना एक अहम मुकाम हासिल किया। भारत में महिला बैडमिंडन की लोकप्रियता बढ़ी, नई खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर खुद को साबित किया। भारत में महिला बैडमिंटन को लोकप्रिय बनाने में साइना नेहवाल का अहम योगदान है। साइना का जन्म 17 मार्च 1990 को हरियाणा के हिसार में हुआ था। शुरूआती पढ़ाई हिसार में हुई। साइना के पिता हरियाणा के एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में कार्यरत थे। जब साइना की उम्र आठ साल थी, तभी उनके पिता का ट्रांसफर हैदराबाद हो गया। हैदराबाद पहुंच साइना ने पहले कराटे सीखना शुरू किया, लेकिन कुछ दिनों के बाद ही उन्होंने इसे छोड़ बैडमिंटन कैंप ज्वॉइन कर लिया।

साइना ने भारतीय महिला बैडमिंटन के सिंगल्स में दुनिया के नंबर वन स्थान तक पहुंचीं। साइना एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने सभी बड़े बीडब्ल्यूएफ टूनार्मेंट में मेडल अपने नाम किए हैं। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। साथ ही ओलंपिक में मेडल जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वो 2008 ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं और इसके बाद साल 2012 में लंदन ओलंपिक में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। साइना ने साल 2010 और 2018 के कॉमनवेल्थ खेलों में सिंगल्स में गोल्ड मेडल जीता है। साइना को साल 2016 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न, पद्मश्री और अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

समझ में नहीं आता कि लोग विराट कोहली को नीचा क्यों दिखाना चाहते हैंः मदन लाल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और BCCI की क्रिकेट सलाहकार समिति (CAC) के सदस्य मदन लाल भारतीय कप्तान विराट कोहली के आलोचकों पर बिफरे हुए हैं। उन्होंने सवाल किया है कि आखिर क्यों लोग कोहली की फील्ड पर आक्रामक शैली की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वह समझ नहीं पा रहे हैं कि ऐसा क्या है कि लोग विराट को नीचा दिखाना चाहते हैं। क्राइस्टचर्च टेस्ट के दूसरे दिन केन विलियमसन जब पहली पारी में आउट होकर लौटे तो विराट कोहली ने बहुत उग्र अंदाज में जश्न मनाया।

विराट कोहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी मीडिया से उलझते दिखे थे, जब उनसे हार की वजहों और मैदान पर हुई बातों के बारे में सवाल किया गया था। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ था। दो वर्ष पहले

सितंबर, 2018 में टाइम्स ऑफ इंडिया के पत्रकार ने उनसे जब सवाल किया था तो उन्होंने अपना आपा खोते हुए कहा था- बार-बार मुझे निशाना बनाया जाता है। इस पर मदन लाल ने कहा- मुझे समझ नहीं आता लोग विराट को नीचा क्यों दिखाते हैं।

उन्होंने कहा, 'पहले तो सभी आक्रामक कप्तान चाहते थे। अब हमारे पास कोहली हैं तो लोग चाहते हैं कि वह अपनी आक्रामकता पर रोक लगाएं। विराट का फील्ड पर किया गया व्यवहार मुझे पसंद है। पहले लोग कहते थे कि भारतीय फील्ड पर आक्रामक नहीं होते अब विराट आक्रामक हैं तो लोग कहते हैं कि वह इतने आक्रामक क्यों हैं? मुझे विराट पसंद हैं और हमें वैसा ही कप्तान चाहिए।'

विराट कोहली का न्यूजीलैंड दौरा उतना बेहतर नहीं रहा था। उन्होंने टेस्ट सीरीज के दौरान 4 पारियों में महज 38 रन बनाए थे। यही नहीं, पिछले 7 लिमिटेड ओवर के मैचों में वह सिर्फ एक बार 50 का आंकड़ पार कर सके हैं। 2014 में इंग्लैंड दौरे पर 10 पारियों में महज 134 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड में वह उसी तरह की पेरशानी में दिखे थे। हालांकि, इस बारे में मदन लाल कहते हैं- मुझे भरोसा है वह और भी मजबूती से वापसी करेंगे।

सावधानी के साथ मिशन तोक्यो जारीः भारतीय रेसलर्स को उम्मीद कि नहीं टूटेगा ओलिंपिक्स का सपना

नई दिल्ली। पिछले तीन ओलिंपिक्स से भारत को रेसलिंग में मेडल मिल रहा है और एक बार फिर इस खेल से भारत को उम्मीदें हैं। तोक्यो ओलिंपिक्स के लिए रवि दहिया, बजरंग पूनिया, दीपक पूनिया और विनेश फोगाट ने क्वॉलिफाइ कर लिया है। कई और रेसलर्स हैं जिनसे उम्मीद है कि वे क्वॉलिफाइ कर लेंगे। हालांकि,कोरोना के कहर ने भारतीय पहलवानों को अपनी योजनाएं बदलने को मजबूर कर दिया है। जो क्वॉलिफाइ कर चुके हैं वो ट्रेनिंग के लिए विदेश नहीं जा पा रहे और जो क्वॉलिफाइंग टूर्नमेंट के लिए टीम में चुने गए हैं उनकी प्रतियोगिताएं फिलहाल रोक दी गई हैं। बावजूद इसके भारतीय पहलवानों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा है। उनका मिशन तोक्यो जारी है। हां, वह प्रैक्टिस में सावधानी बरत रहे हैं।

महिला वर्ग में अभी तक एकमात्र कोटा विनेश फोगाट ने हासिल किया है। विनेश से रियो ओलंपिक्स में भी मेडल की उम्मीद थी लेकिन मुकाबले के दौरान लगी गंभीर चोट से उनका सपना साकार नहीं हो सका। पिछली कुछ इंटरनैशनल प्रतियोगिताओं में विनेश ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए उनसे इस बार उम्मीदें बढ़ गई हैं। कोरोना के दौर में विनेश की तैयारियों पर क्या असर पड़ा है? इस पर इस रेसलर ने कहा, 'यह ओलिंपिक्स वर्ष है। भला कोई खिलाड़ी कोताही बरतने की सोच भी कैसे सकता है। अभी ओलिंपिक्स को लेकर काफी चचाएं हो रही हैं कि यह होगा कि नहीं होगा। लेकिन, मैं इस बारे में कुछ भी नहीं सोचती। मैंने प्रैक्टिस में किसी तरह की ढीलाई नहीं की है। हां, जितना हो सकता है एहतियात बरत रही हूं। हमारा खेल बॉडी कॉन्टैक्ट का है। कहा जा रहा है कि हाथ मिलाने से परहेज करें। लोगों से एक मीटर की दूरी बनाए रखें। मास्क लगाए रहें। प्रैक्टिस के दौरान हम इन बातों पर अमल नहीं कर सकते। फिर भी, जितना संभव हो पाता है हाथ धोती हूं और कोशिश करती हूं कि बाहरी लोगों से कम मिलूं।' पुरुष 57 किग्रा वर्ग में रवि दहिया वर्ल्ड चैंपियनशिप से ओलिंपिक्स में जगह बना चुके हैं। रवि भी मेडल के प्रबल दावेदारों में हैं। रवि से जब कोरोना के कहर के बीच उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था, 'हमारे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि हम उन्हीं लोगों के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं जिनके साथ हमेशा रहते हैं। उन्हीं के साथ हमारा उठना-बैठना और खाना-पीना भी लगभग होता है। इसलिए कोरोना के चलते प्रैक्टिस प्रभावित होने का तो मतलब ही नहीं बनता। हम जिस तरह की प्रैक्टिस पहले कर रहे थे, वैसी ही अभी भी कर रहे हैं। कैंप में डॉक्टर हैं जो समय-समय पर हमें दिशा-निर्देश देते रहते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'फर्क नहीं पड़ता'

ऐक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और ऐक्टर अर्जुन कपूर के रिलेशनशिप की चर्चा काफी लंबे समय से है। दोनों काफी समय से एक-दूसरे के साथ नजर आ रहे थे और सोशल मीडिया पर भी साथ में तस्वीरें शेयर कर रहे थे। बाद में दोनों ने खुलकर अपने रिश्ते की बात भी कही। हालांकि, इस रिश्ते के लिए अर्जुन और मलाइका को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी किया गया। मलाइका ने अब इन ट्रोल्स के बारे में अपनी बात कही है। मलाइका ने अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप पर ट्रोल्स को जवाब दिया है। मलाइका ने कहा कि उनका और अर्जुन का रिलेशनशिप ऐसी नेगेटिव ऐनर्जी से बिल्कुल प्रभावित नहीं है।

कोरोना वायरस के चलते शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी की शूटिंग रुकी

कोरोना वायरस के कहर से पूरा देश प्रभावित हो चुका है। बॉलीवुड इंडस्ट्री पर भी इसका बुरा असर देखने को मिल रहा है। कई सारी फिल्मों की रिलीज डेट और शूटिंग रोक दी गई है। इस लिस्ट में एक और फिल्म का नाम शामिल हो गया है। शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी की शूटिंग रोक दी गई है। शाहिद कपूर ने खुद सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी साझा की। एक्टर ने ट्विटर अकाउंट पर लिखा- इन हालातों में ये हमारी सामाजिक जिम्मेदारी बनती है कि इस वायरस से बचने के लिए अपनी तरफ से हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। टीम जर्सी ने अपने आगे की शूटिंग रोक दी है। सभी से घर जाकर अपना ख्याल रखने और घरवालों का ख्याल रखने के लिए कहा गया है। जिम्मेदारी क एहसास करें। सुरक्षित रहें। बता दें कि मनोरंजन जगत को भी कोरोना वायरस का काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार ने देश के बड़े शहर जैसे कि दिल्ली, कर्नाटक, ओडिशा और केरल जैसे शहरों में सिनेमा हॉल्स और थिएटर बंद करा दिए हैं। बता दें कि कई सारी फिल्मों की रिलीज डेट रोक दी गई है। अक्षय कुमार की सूर्यवंशी 24 मार्च को रिलीज होने वाली थी जो अब नहीं होगी। इसके अलावा हालिया रिलीज फिल्म बागी 3 और अंग्रेजी मीडियम की कमाई में भी भारी गिरावट देखने को मिल रही है।अक्षय कुमार की सूर्यवंशी के बाद अब अर्जुन कपूर और परिणीति चोपड़ा की फिल्म संदीप और पिंकी फरार की शूटिंग भी रोक दी गई है।

कभी दबाव में काम नहीं करती: अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने कम समय में अपने लिए एक मुकाम बनाया है। वह हमेशा नई और बेहतर चीजें करने की कोशिश करती हैं। वह अपनी अदाकारी के जरिये अपने दर्शकों के लिए कुछ नया और मनोरंजक पेश करने की जुगत में लगी रहती हैं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा उन एक्टर्स में से हैं, जो किसी भी दबाव से परेशान नहीं होतीं। अनुष्का कहती हैं कि यह इसलिए ऐसा है, क्योंकि वह सिर्फ उन कामों को लेती हैं, जो काम वह कर सकती हैं। अनुष्का कहती हैं, एक कलाकार और एक निमार्ता के रूप में मैंने हमेशा नई चीजें करने की कोशिश की। मैंने कभी किसी दबाव में रहकर काम नहीं किया। मैंने हर उस अवसर को, जिस वजह से मुझे कुछ अच्छा और नया सीखने को मिला, उसका स्वागत किया है। वह उन लोगों की भी शुक्रगुजार हैं, जिनके साथ उन्हें काम करने का मौका मिला। वह आगे कहती हैं, मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इस तरह के अवसर मिले। कुछ अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। अनुष्का की फिल्म 'परी' को इस महीने रिलीज हुए दो साल हो चुके हैं। उन्हें इस बात की भी खुशी है कि उन्हें इस तरह की बेहतर स्क्रिप्ट मिली। 31 वर्षीया अभिनेत्री ने कहा, मैं इस फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ कर दंग रह गई थी। मुझे पता था कि मैं इस फिल्म का निर्माण करूंगी। इस फिल्म ने मुझे एक चुनौती दी, जो इससे पहले मुझे कभी नहीं मिली। एक एक्टर होने के नाते मैं नया काम, नया जॉनर एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म ने मुझे वह काम करने का मौका दिया। इस तरह का काम न ही पहले हुआ था, न लोगों ने देखा था। इसलिए इस फिल्म को करना मेरे लिए जरूरी था। मुझे कुछ ऐसा करना था, जो लोगों ने पहले नहीं देखा है। साथ ही दर्शकों का मनोरंजन करना था। इस फिल्म के साथ मैंने वे सभी चीजें कीं।